भाषा विवि के स्वयंसेवकों ने किया रात्रि शिविर का आयोजन

लखनऊ। खूवाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के राष्ट्रीय सेवा योजना के इकाई- 2 की कार्यक्रम अधिकारी डॉ पूनम चौधरी तथा स्वयं सेवकों द्वारा सात दिवसीय विशेष (रात्रि-दिवस) शिविर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गांव डिगुरिया में लगाया गया जिसके अंतर्गत गांव की महिलाओं, बच्चों और पुरुषों को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य, पर्यावरण और वृक्षारोपण, नशामुक्ती , दहेज प्रथा एक अभिशाप , योग और स्वास्थ्य तथा सड़क सुरक्षा जैसे विषयों पर विभिन्न रैलियों के माध्यम से और व्यक्तिगत बातचीत के माध्यम से जागरूक किया गया।

हिन्दुस्तान
लखनऊ, बुधवार, 30 अप्रैल 2025 08

भाषा विवि में सुधरेगा प्रवेश प्लेसमेंट का स्तर: कुलपति

लखनऊ, संवाददाता। भाषा विवि के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने प्रेसवार्ता कर विवि के भविष्य की योजनाओं व चुनौतियों पर बात की। पत्रकारों से अपने प्राथमिकताओं के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में इस समय 76 कोर्सेज पर 3600 से अधिक विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। अगले सत्र से इसे बढ़ाने की तैयारी है।

उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को शोध व भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित अध्ययन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अलावा विवि के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार व चल रहे कार्यों को निर्धारित समय के भीतर पूरा कराने का प्रयास होगा। निर्माणाधीन विवि में 1200 लोगों की क्षमता वाले ऑडिटोरियम को समय रहते पूरा कराया जाएगा।

■ भाषा विवि के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने प्रेसवार्ता कर जानकारी दी

कुलपति प्रो. तनेजा ने नैक मूल्यांकन, मिशन एडमिशन, एकेडमिक सुधार और प्लेसमेंट को प्राथमिकता बताया। कहा कि पाठ्यक्रमों की खाली सीटें भरने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे। एकेडमिक व्यवस्थाओं में सुधार होगा।

हैकनोवेट 6.0 में भाषा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की शानदार उपलब्धि

तिजारत संवाददाता

लखनऊ। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के बी.टेक द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने इउक्ट्ट इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गाज़ियाबाद द्वारा आयोजित 24 घंटे के हाइब्रिड हैकाथॉन ''हैकनोवेट 6.0'' में भाग लेकर ''बेस्ट बिगिनर टीम'' का खिताब अपने नाम किया है। यह प्रतियोगिता 4 एवं 5 अप्रैल 2025 को आयोजित की गई थी।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए टीम को प्रशस्ति पत्र के साथ ?3000/- की नकद राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो जे पी पांडेय ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल विद्यार्थियों की तकनीकी दक्षता का प्रमाण है, बल्कि उनकी नवाचार क्षमता और टीम वर्क को भी दर्शाती है । विजेता टीम में आशीष मौर्य ऽ बी.टेक (कंप्यूटर साइंस), पुष्कर कांत मिश्रा ऽ बी.टेक (कंप्यूटर साइंस - आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा साइंस), सोनी गुप्ता ऽ बी.टेक (कंप्यूटर साइंस), श्वेता यादव ऽ बी.टेक (कंप्यूटर साइंस) शामिल रहे । इस टीम का मार्गदर्शन विभाग की सहायक आचार्या डॉ. शान-ए-फातिमा द्वारा किया गया। उनके कुशल निर्देशन में टीम ने यह सफलता अर्जित की। विश्वविद्यालय परिवार ने पूरी टीम को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

अवधनामा

भाषा विवि के नए कुलपति प्रो. तनेजा ने ली परिचय बैठक

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के नव नियुक्त कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने विश्वविद्यालय के सभी लोगों के साथ औपचारिक बैठक अटल हॉल में की। विदित है कि हरदोई सीतापुर रोड अवस्थित ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में नए कुलपति के रूप में डॉ. अंबेडकर विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कार्यभार संभालने के बाद पहली बैठक की। जिसमें सायं तीन बजे विश्व विद्यालय परिसर के अटल सभागार में सभी शिक्षकों के साथ औपचारिक बैठक की। बैठक की शुरुआत माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने अपना पूर्ण परिचय देते हुए सभी शिक्षक और कर्मचारियों से भी परिचय लिया। बैठक को संबोधित करते हुए माननीय कुलपति प्रो. तनेजा ने बताया कि है हम सभी शिक्षकों को अध्यापन कार्य करते हुए अपने व्यक्तिगत कार्यों से भी संतुलन बिठाना होगा। प्रो. अजय ने कहा कि हमें विद्यार्थियों के साथ मिलकर शोध, नवाचार और विद्यार्थी कल्याण के बारे प्रयास करना चाहिए। कुलपति ने नैक, एडमिशन बढ़ाने के प्रयास पर बल भी दिया। परिचय बैठक में डीन अकादमिक प्रो. सौबान सईद, डीन शोध, प्रो. चन्दना डे, प्रो. मसूद आलम, प्रो. एहतेशाम अहमद, प्रो. तनवीर ख़दीजा, प्रो. फखरे आलम, प्रो. शालिनी त्रिपाठी, डॉ. राजेंद्र त्रिपाठी, डॉ. तथहीर फातिमा और डॉ. लक्ष्मण सिंह सहित विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाषा विविः तीन विषयों में शुरू होंगे परास्नातक पाठ्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि आगामी सत्र से तीन विषयों में परास्नातक कोर्स शुरू करेगा। जिन विषयों में पीजी शुरू होगा, उसमें एमए राजनीति विज्ञान, एमए समाजशास्त्र और एमए लाइब्रेरी साइंस शामिल हैं। अभी इसमें स्नातक की पढ़ाई होती है, विवि की मंशा बीफार्मा के साथ एमफार्मा का कोर्स संचालित करने की भी है। यह जानकारी विवि के नव नियुक्त कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने मंगलवार को प्रेसवार्ता के माध्यम से दी।

उन्होंने कहा, पहली प्राथमिकता विवि की नैक मूल्यांकन करवाना है। विश्वविद्यालय में मिशन एडमिशन के तहत छात्रों की संख्या को बढ़ाना है। विवि ग्रामीण इलाके में होने से छात्र यहां दाखिला लेने से घबराते हैं। ऐसे में परिवहन मंत्री से अनुरोध कर ग्रामीण इलाकों से विवि तक बस चलाने का निवेदन किया गया है।

भाषा विवि में पीएचडी में प्रवेश के लिए अगले माह आवेदन विज्ञापन जारी किया जाएगा। विभागाध्यक्षों की ओर से खाली सीटों का ब्योरा पीएचडी समन्वयक और कुलसचिव को दिया जा चुका है। विवि भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित विषयों पर शोध करने वाले छात्र-छात्राओं को 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी देगा।

शिक्षकों का होगा प्रमोशन, पदों का समायोग भी करेंगे : भाषा विवि में कई वर्षों से लंबित शिक्षकों का कैश प्रमोशन किया जाएगा। मामला कोर्ट में लंबित होने के कारण शिक्षकों का प्रमोशन नहीं हो रहा था। कार्यपरिषद की संस्तुति के बाद इस पर मुहर लगा दी गई है। अंतिम निर्णय न्यायालय का होगा, जो भी फैसला आएगा उसे माना जाएगा। जिन विभागों में शिक्षकों के सापेक्ष पदों की संख्या अधिक है उनका समायोजन करने के संबंध में कवायद शुरू की जाएगी।

भाषा विवि के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने की पहली प्रैस कॉन्फ्रेंस

देव केसरी/सज्जाद बाकर जैदी

लखनऊ ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के नव नियुक्त माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने वीसी लॉज में अपनी पहली प्रैस कॉन्फ्रेंस की। प्रैस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने सभी पत्रकार साथियों का स्वागत किया। स्वागत के बाद सबसे पहले अपना परिचय देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय वर्तमान में 76 कोर्सेज संचालित करता है। जिसमें हजारों विद्यार्थी पढ़ाई करते हैं। इन सभी विद्यार्थियों को अब से भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित अध्ययन करने हेतु 20 हजार रुपए की वित्तीय सहायता मुहैया कराई जायेगी।

प्रो. तनेजा ने कहा कि विश्वविद्यालय में जिन शिक्षकों के प्रमोशन शेष हैं उन्हें भी यथाशीघ्र भरा जायेगा। प्रो. अजय तनेजा ने बताया कि उनकी प्राथमिकता एडमिशन को मिशन मोड पर ले जाकर क्रियान्वित करना है। जबकि दूसरी प्राथमिकता विश्वविद्यालय में शोध और नवाचार को बढ़ावा देना है और तीसरी प्राथमिकता में नैक का मूल्यांकन सफल तरीके से कराना है। इसके अलावा कुलपति प्रो. तनेजा ने कहा कि हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय में शिक्षण कार्य भी उनकी प्राथमिकता में शामिल रहेगा। प्रो. तनेजा ने बताया कि हम जल्द ही विदेशी भाषाओं में लैंग्वेज कोर्सेस भी आरम्भ करने जा रहे हैं। इसके साथ ही

प्रो. तनेजा ने कहा कि वर्तमान में जिन कोर्सेज में स्नातक विषय के साथ पढ़ाई हो रही है वहां परास्नातक स्तर पर कोर्सेज संचालित किये जायेंगे। प्रो. तनेजा ने कहा कि विश्वविद्यालय में नियमित और संविदा के सभी रिक्त पदों पर आवेदन और भर्ती भी जल्द शुरू की जाएगी। अंत में प्रैस कॉन्फ्रेंस सभी पत्रकार साथियों को धन्यवाद के साथ समाप्त हुई। प्रैस कॉन्फ्रेंस में विश्वविद्यालय से कुलसचिव डॉ. महेश कुमार, प्रो. सौबान सईद, मीडिया प्रभारी डॉ. रुचिता सुजॉय चौधरी, मीडिया कमेटी से डॉ. शचींद्र शेखर, डॉ. काजिम रिज़वी, डॉ. जफरुन नकी और मोहसिन उपस्थित रहे।

भाषा वि.वि. के कुलगुरु के रूप में प्रो. अजय तनेजा ने कार्यभार ग्रहण किया

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के नए कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने शनिवार को विधिवत रूप से कार्यभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने कुलपति कार्यालय में प्रो. जे.पी. पांडेय से कुलगुरु का कार्यभार संभाला। प्रो. तनेजा विश्वविद्यालय के छठे स्थायी कुलपति के रूप में कार्य करेंगे। वे रसायन विज्ञान, पर्यावरणीय रसायन तथा वायुमंडलीय विज्ञान के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् हैं। उन्हें 30 वर्षों से अधिक का शिक्षण और 32 वर्षों से अधिक का शोध अनुभव प्राप्त है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने विभिन्न प्रशासनिक पदों पर भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अनुभव- प्रो. तनेजा ने अमेरिका, जर्मनी, चीन, ऑस्ट्रेलिया सहित अनेक देशों में अकादमिक और शोध कार्यों में सक्रिय भागीदारी की है। उनके 150 से अधिक शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित हो चुके हैं। वे भारतीय रसायन परिषद (FICS) तथा भारतीय केमिस्ट परिषद (FICC) के फैलो हैं। इसके अतिरिक्त, वह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित लीप फेलो (Leadership for Academicians

Programme Fellow) भी रह चुके हैं।

नवाचार, अनुसंधान और उत्कृष्टता पर रहेगा जोर- अपने संबोधन में कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि वे विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए तीन प्रमुख स्तंभों – नवाचार, अनुसंधान और उत्कृष्टता – को आधार बनाकर कार्य करेंगे। नवाचार के माध्यम से नए विचारों और तकनीकी प्रयोगों को बढ़ावा दिया जाएगा।

अनुसंधान के जरिए ज्ञान सृजन और नवीन खोजों को प्रोत्साहित किया जाएगा। उत्कृष्टता के माध्यम से शिक्षा, शोध और समग्र विकास के हर क्षेत्र में श्रेष्ठता स्थापित की जाएगी।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान- कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत प्रो. तनेजा ने विश्वविद्यालय के सभागार में संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों एवं वरिष्ठ अधिकारियों से भेंट कर विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली और आगामी प्रवेश प्रक्रिया की तैयारियों की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करेंगे और विश्वविद्यालय को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाने हेतु निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

कुलगुरु ने अपने उद्बोधन में यह भी कहा कि वे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप विश्वविद्यालय की शिक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करेंगे तथा विद्यार्थियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाने के लिए नवाचार, तकनीक और शोध को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने सभी संकाय सदस्यों से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर विश्वविद्यालय को अकादमिक उत्कृष्टता के पथ पर अग्रसर करें। कुलगुरु ने विश्वास जताया कि वे अपनी भूमिका में श्रेष्ठतम योगदान देने का हर संभव प्रयास करेंगे। कार्यभार ग्रहण समारोह के सुअवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ महेश कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ भावना मिश्रा, वित्त अधिकारी साजिद आज़मी, प्रो. सैयद हैदर अली, प्रो. सौबान सईद, प्रो तनवीर ख़दीजा सहित समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

CM

भाषा विवि में हुआ अम्बेडकर जयंती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में अम्बेडकर जयंती के पावन अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर के अटल सभागार में किया गया।

विदित है कि प्रत्येक वर्ष पूरे विश्व में बोधिसत्व भारतरत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को धूमधाम से मनाया जाता है। इसी श्रृंखला में हरदोई सीतापुर रोड अवस्थित ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में बाबासाहेब की 134 वीं जयंती के पावन अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्रो. जे पी पांडेय के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. कालीचरण स्नेही, सेवानिवृत्त, लखनऊ विश्वविद्यालय ने कहा कि बाबासाहेब विश्वभूषण हैं। जनता ने दुनियां को बता दिया कि अंबेडकर जयंती कैसे मनाई जाती है। आज 192 देशों में बाबासाहेब की जय जयकार होती है। अमेरिका ने भी माना कि बाबासाहेब अंबेडकर ने हमारे यहां शिक्षा ग्रहण करके उसका सफल प्रयोग भारत में

किया। प्रो. स्नेही ने कहा कि मोदी सरकार ने आज बाबासाहेब पर चर्चा और विमर्श कराए जा रहे हैं जबकि उत्तर प्रदेश सरकार तो 10 दिन का अंबेडकर जयंती कार्यक्रम करा रही है। अकादमिक जगत में बाबासाहेब पर चर्चाझपरिचर्चा होनी चाहिए। प्रो. कालीचरण ने डॉ. अम्बेडकर को कोट करते बताया कि जाति के विनाश से ही स्वस्थ्य लोकतंत्र का निर्माण संभव है। स्वतंत्रता, समता और बंधुत्वा किसी भी संवैधानिक राष्ट्र के कारक होने चाहिए। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब प्रत्येक नागरिक के लिए एक आदर्श हैं। आज भारत में सभी जगह महिलाओं के प्रतिनिधित्व में डॉ. अम्बेडकर का ही योगदान है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता व्यवसाय प्रशासन के विभागाध्यक्ष डॉ. मुशीर अहमद ने की।

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 300 के लगभग विद्यार्थियों और शिक्षकों ने पंजीकरण कराया जिसमें चुनिंदा प्रतिभागियों ने शोध पत्र का प्रस्तुतिकरण भी किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

अंबेडकर जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाषा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. महेश कुमार की महती भूमिका रही जबकि संगोष्ठी के आयोजक के रूप में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत संयोजक डॉ. अभय कृष्णा, सह संयोजक डॉ. पूनम चौधरी, डॉ. मनीष कुमार, आयोजन सचिव के डॉ. जफरुन नकी रहे।

मंच का संचालन विवि के विद्यार्थी नशरा अंसारी और रुद्राक्ष ने किया।

धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनीष कुमार ने दिया। संगोष्ठी के दौरान प्रो. सौबान सईद, डॉ. राजेंद्र त्रिपाठी, डॉ. नीरज शुक्ल, डॉ. शचींद्र शेखर, डॉ. सिद्दार्थ सुदीप, डॉ. लक्ष्मण सिंह के साथ विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक और विद्यार्थी भारी तादाद में उपस्थित रहे।

भाषा विवि के स्वयंसेवकों ने किया रात्रि शिविर का आयोजन

एनडीएस संवाददाता

लखनऊ। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के राष्ट्रीय सेवा योजना के इकाई- 2 की कार्यक्रम अधिकारी डॉ पूनम चौधरी तथा स्वयं सेवकों द्वारा सात दिवसीय विशेष (रात्रि-दिवस) शिविर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गांव डिगुरिया में लगाया गया जिसके अंतर्गत गांव की महिलाओं, बच्चों और पुरुषों को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य, पर्यावरण और वृक्षारोपण, नशामुक्ती , दहेज प्रथा एक अभिशाप , योग और स्वास्थ्य तथा सड़क सुरक्षा जैसे विषयों पर विभिन्न रैलियों के माध्यम से और व्यक्तिगत बातचीत के माध्यम से जागरूक किया गया।

| जिम्मेदारी | प्रो. अजय तनेजा भाषा विवि के नए कुलपति बनाए गए, संस्थान की व्यवस्था सुधारने पर जोर

प्रवेश की समस्याएं दूर कर सुधारेंगे नैक

लखनऊ, संवाददाता। भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा के प्रति कुलपति प्रो. अजय तनेजा को भाषा विवि का कुलपति बनाया गया है। इस संबंध में कुलाधिपति व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को आदेश जारी किया है।

भाषा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एनबी सिंह बीते 10 जनवरी को राजा महेंद्र प्रताप सिंह अलीगढ़ विश्वविद्यालय के कुलपति बनाए गए थे। इसके बाद एकेटीयू के कुलपति प्रो. जेपी पांडेय को अतिरिक्त प्रभार के तौर पर भाषा विवि दिया गया था। अब जल्दी ही प्रो. अजय तनेजा कुलपति का पदभार ग्रहण कर सकते हैं। राज्यपाल के अनुसार पदभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष तक के लिए प्रो. तनेजा को कुलपति पद की जिम्मेदारी मिली है।

03 साल के लिए प्रो. अजय तनेजा को मिली विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी

■ भाषा विश्वविद्यालय में नए कुलपति का इंतजार अब खत्म हुआ

नैक निरीक्षण में बेहतर ग्रेड हासिल करने की कोशिश करेंगे : कुलपति बनाए जाने के बाद हिन्दुस्तान ने प्रो. अजय तनेजा से बातचीत कर उनकी तैयारियों और उद्देश्य के बारे में जानकारी ली। प्रो. तनेजा का कहना है कि वे जल्दी ही एक दो दिनों में पदभार ग्रहण करेंगे। साथ ही नैक निरीक्षण में बेहतर ग्रेड हासिल करने की कोशिश करेंगे।

प्लेसमेंट पर काम करेंगे, लाएंगे एकेडमिक एक्सीलेंस: उन्होंने हिन्दुस्तान से बताया कि प्राथमिकता के तौर पर एकेडमिक उत्कृष्ठता और प्लेसमेंट बेहतर करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि बच्चा वहीं प्रवेश लेता है जहां प्लेसमेंट अच्छा हो, प्लेसमेंट सेल की मजबूती पर कार्य करेंगे। डिग्री मार्केट ओरिएंटेड बनाएंगे। प्रवेश की कमियों को दूर करेंगे। फैकल्टी को विश्वविद्यालय का मान बढ़ाने के लिए प्रेरित करेंगे।

आवेदन शुरू

भाषा विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2025-26 प्रवेश प्रक्रिया के तहत आवेदन शुरू कर दिए हैं। प्रवेश समन्वयक प्रो. सौबान सईद ने बताया कि छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.kmclu.ac.in पर जाकर समर्थ पोर्टल के माध्यम से आवेदन फॉर्म भर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सामान्य, ओबीसी, और ईडब्ल्यूएस वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क 500 रुपए और एससी एसटी के 250 रुपए होगा। आवेदन प्रक्रिया में किसी तरह की समस्या आने पर छात्र प्रवेश कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। छात्र-छात्राएं विवि की वेबसाइट देख सकते हैं।

हैकनोवेट 6.0 में भाषा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की शानदार उपलब्धि

एनडीएस संवाददाता

लखनऊ। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के बी.टेक द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने इउक्ट्ट इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गाज़ियाबाद द्वारा आयोजित 24 घंटे के हाइब्रिड हैकाथॉन ''हैकनोवेट 6.0'' में भाग लेकर ''बेस्ट बिगिनर टीम'' का खिताब अपने नाम किया है। यह प्रतियोगिता 4 एवं 5 अप्रैल 2025 को आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए टीम को प्रशस्ति पत्र के साथ ?3000/- की नकद राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो जे पी पांडेय ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल विद्यार्थियों की तकनीकी दक्षता का प्रमाण है, बल्कि उनकी नवाचार क्षमता और टीम वर्क को भी दर्शाती है। विजेता टीम में आशीष मौर्य बी.टेक (कंप्यूटर साइंस), पुष्कर कांत मिश्रा बी.टेक (कंप्यूटर साइंस- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा साइंस), सोनी गुप्ता बी.टेक (कंप्यूटर साइंस) , श्वेता यादव बी.टेक (कंप्यूटर साइंस) शामिल रहे । इस टीम का मार्गदर्शन विभाग की सहायक आचार्या डॉ. शान-ए-फातिमा द्वारा किया गया। उनके कुशल निर्देशन में टीम ने यह सफलता अर्जित की। विश्वविद्यालय परिवार ने पूरी टीम को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

हिन्दुस्तान
लखनऊ, शुक्रवार, 11 अप्रैल 2025 04

मो. सहील भाषा विवि के उप कुलसचिव बने

लखनऊ। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय में कई माह से खाली पड़े उप कुलसचिव पद पर मो. सहील को संबद्ध किया गया है। वर्तमान में वह अयोध्या के डॉक्टर राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में उप कुलसचिव पद पर तैनात हैं। विशेष सचिव गिरिजेश त्यागी के आदेश में कहा गया है कि उन्हें भाषा विवि में उप कुलसचिव पद पर संबद्ध किया जाता है।

भाषा विवि में हुआ अम्बेडकर जयंती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

सज्जाद बाक़र
सिटीज़न वॉयस,
संवाददाता
लखनऊ

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में अम्बेडकर जयंती के पावन अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर के अटल सभागार में किया गया।

विदित है कि प्रत्येक वर्ष पूरे विश्व में बोधिसत्व भारतरत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को धूमधाम से मनाया जाता है। इसी श्रृंखला में हरदोई सीतापुर रोड अवस्थित ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में बाबासाहेब की 134 वीं जयंती के पावन अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्रो. जे पी पांडेय के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. कालीचरण स्नेही, सेवानिवृत्त, लखनऊ विश्वविद्यालय ने कहा कि बाबासाहेब विश्वभूषण हैं। जनता ने दुनियां को बता दिया कि अंबेडकर जयंती कैसे मनाई जाती है। आज 192 देशों में बाबासाहेब की जय जयकार होती है। अमेरिका ने भी माना कि बाबासाहेब अंबेडकर ने हमारे यहां शिक्षा ग्रहण करके उसका सफल प्रयोग भारत में किया। प्रो. स्नेही ने कहा कि मोदी सरकार ने आज बाबासाहेब पर चर्चा और विमर्श कराए जा रहे हैं जबकि उत्तर प्रदेश सरकार तो 10 दिन का अंबेडकर जयंती कार्यक्रम करा रही है। अकादमिक जगत में बाबासाहेब पर चर्चा-परिचर्चा होनी चाहिए। प्रो. कालीचरण ने डॉ. अम्बेडकर को कोट करते बताया कि जाति के विनाश से ही स्वस्थ्य लोकतंत्र का निर्माण संभव है। स्वतंत्रता, समता और बंधुत्वा किसी भी संवैधानिक राष्ट्र के कारक होने चाहिए। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब प्रत्येक नागरिक के लिए एक आदर्श हैं। आज भारत में सभी जगह महिलाओं के प्रतिनिधित्व में डॉ. अम्बेडकर का ही योगदान है। कार्यक्रम की अध्यक्षता व्यवसाय प्रशासन के विभागाध्यक्ष डॉ. मुशीर अहमद ने की। एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 300 के लगभग विद्यार्थियों और शिक्षकों ने पंजीकरण कराया जिसमें चुनिंदा प्रतिभागियों ने शोध पत्र का प्रस्तुतिकरण भी किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। अंबेडकर जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाषा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. महेश कुमार की महती भूमिका रही जबकि संगोष्ठी के आयोजक के रूप में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत संयोजक डॉ. अभय कृष्णा, सह संयोजक डॉ. पूनम चौधरी, डॉ. मनीष कुमार, आयोजन सचिव के डॉ. जफरुन नकी रहे।

मंच का संचालन विवि के विद्यार्थी नशरा अंसारी और रुद्राक्ष ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनीष कुमार ने दिया। संगोष्ठी के दौरान प्रो. सौबान सईद, डॉ. राजेंद्र त्रिपाठी, डॉ. नीरज शुक्ल, डॉ. शचींद्र शेखर, डॉ. सिद्दार्थ सुदीप, डॉ. लक्ष्मण सिंह के साथ विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक और विद्यार्थी भारी तादाद में उपस्थित रहे।

भाषा विश्वविद्यालय में हुआ श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

लखनऊ। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो.जे. पी पाण्डेय के मार्गदर्शन में जम्मू और कश्मीर राज्य के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की दुखद घटना पर श्रद्धांजलि एवं शोक सभा का एक आयोजन हुआ। इस सभा का आयोजन विश्वविद्यालय में स्थित अटल सभागार में हुआ। शोक सभा में शोक सन्देश विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. महेश कुमार द्वारा पढ़ा गया` पहलगाम में हुई घटना पर अफसोस जाहिर करते हुए सभी ने दो मिनट का सभा में मौन धारण किया` इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र छात्रायें भारी संख्या में उपस्थित रहे।

व्यवस्था

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने जारी किया आदेश

प्रो. अजय तनेजा बने भाषा विवि के कुलपति

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि को आखिरकार तीन माह के इंतजार के बाद नियमित कुलपति मिल गया है। डॉ. भीमराव अंबेडकर विवि आगरा में प्रतिकुलपति प्रो. अजय तनेजा को भाषा विवि के कुलपति पद की जिम्मेदारी दी गई है। कुलाधिपति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बृहस्पतिवार को आदेश जारी किया है। प्रो. तनेजा को पदभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष तक के लिए कुलपति पद की जिम्मेदारी दी गई है।

प्रो. अजय तनेजा

नैक मूल्यांकन कराना पहली प्राथमिकता: भाषा विवि के नवनियुक्त कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा, कुलपति के रूप में उनकी पहली प्राथमिकता विवि का नैक मूल्यांकन कराना है। यहां के छात्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे, इसके लिए भी काम करना है। शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिए शोध का बेहतर माहौल देने का प्रयास रहेगा। जरूरी औपचारिकताओं को पूरा कर रहा हूं, शनिवार या सोमवार को कुलपति के रूप में जॉइन करूंगा। मूल रूप से आगरा का ही रहने वाला हूं। शिक्षक के तौर पर शुरूवात शहर के ही एक महाविद्यालय से हुई। 2008 से भीमराव अंबेडकर विवि आगरा के रसायन विज्ञान विभाग में शिक्षक के रूप में सेवाएं दे रहा था।

भाषा विवि में कुलपति रहे प्रो. एनबी सिंह को 10 जनवरी को राजा महेंद्र प्रताप सिंह अलीगढ़ विवि का कुलपति बनाया गया था। इससे यहां कुलपति का पद रिक्त था। विवि का कार्य प्रभावित न हो इसके लिए एकेटीयू के कुलपति प्रो. जेपी पांडेय को भाषा विवि के प्रभारी कुलपति की जिम्मेदारी दी गई थी।

ये होंगी चुनौतियां : भाषा विवि में पूर्व कुलपति माहरूख मिर्जा के समय हुई नियुक्तियों में धांधली और गड़बड़ियों पर कुलपति एनबी सिंह ने कई शिक्षकों के खिलाफ सेवा समाप्ति की कार्रवाई की थी। इसमें पूर्व कुलपति प्रो. मिर्जा भी शामिल हैं। सभी ने उच्च न्यायालय में अपील की है। दो शिक्षकों पर कार्रवाई के खिलाफ राजभवन से कार्यपरिषद की कार्रवाई को गलत ठहराया गया है।

भाषा विश्वविद्यालय की टीम बनी बेस्ट बिगिनर

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय के बी.टेक द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने एबीईएस इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गाजियाबाद द्वारा आयोजित 24 घंटे के हाइब्रिड हैकाथॉन हैकनोवेट 6.0 बेस्ट बिगिनर टीम का खिताब जीता। यह प्रतियोगिता चार और पांच अप्रैल को हुई। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए टीम को प्रशस्ति पत्र के साथ ₹तीन हजार की नकद धनराशि पुरस्कार में दी गई।

روزنامہ صحافت دہلی

یونیورسٹی کو بلندی پر پہنچانا میری ترجیح

لینگو تج یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا کی نامہ نگاروں سے گفتگو

لکھنؤ: خواجہ معین الدین چشتی لینگو تج یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے انتظامی بلڈنگ کے میٹنگ روم میں منعقدہ پریس کانفرنس میں پہلی بار میڈیا سے بات کی اور یونیورسٹی کے تعلق سے اپنی ترجیحات کو پیش کرتے ہوئے کہا کہ اس یونیورسٹی کو نئی منزلوں پر پہنچانے کے لئے ان ترجیحات کو پیش نگاہ رکھنا ضروری ہے۔ انھوں نے میڈیا سے بات کرتے ہوئے کہا کہ سب سے ہم نیک کے لئے کوشش کریں گے اور اس کے لئے ضروری اقدامات کئے جارہے ہیں اور امید ہے۔ اسی سیشن میں یونیورسٹی میں نیک کرالیا جائے گا۔ انھوں نے یہ بھی کہا کہ کچھ کورسز یو جی تک ہی چلائے جارہے ہیں اس باران کورسز کو پی جی کرنے کا ارادہ رکھتے ہیں تاکہ قومی تعلیمی پالیسی کو ہر کورس میں مکمل طور پر نافذ کیا جاسکے۔ اس یونیورسٹی میں قومی تعلیمی پالیسی ملٹی ڈسپلنری کورس کو زیادہ بہتر طریقے سے نافذ کیا جاسکتا ہے جو قومی تعلیمی پالیسی کا ایک بنیادی مقصد ہے۔ انھوں نے اپنی ترجیحاتی پالیسی پر گفتگو ... یہ بھی کہا کہ علمی وادبی اور تحقیقی ... طرح کا سمجھوتہ نہیں کیا جائے گا بلکہ یہ کوشش رہے گی کہ یہاں ایک ایسا علمی، تحقیقی اور اور اختراعی فضا تعمیر کریں جس میں طلبہ اپنی ذہانتوں، صلاحیتوں اور پوشیدہ جوہروں کو نکھرنے کا بہتر موقع مل سکے۔ سبھی

اساتذہ کو اس پہلو پر بھی زور دینے کی ضرورت ہے کہ کس طرح سے تحقیق اور اختراع کیا ہم معرکے کو سر کیا جائے اور مجھے یقین ہے کہ اگر اساتذہ اپنی بھرپور تخلیقی، تنقیدی اور اختراعی صلاحیتوں کو مظاہرہ کریں گے تو منزل بہت دور نہیں ہے۔ انھوں نے کہا کہ اگر ہم سبھی اساتذہ یہ عزم کرلیں اور عہد وپیان باندھ لیں اور ایمانداری کے ساتھ اپنا بہتر دینے کی کوشش کریں تو اس یونیورسٹی کے کیمپس کو تعلیم وتحقیق اور اختراع کے لئے ایک مثالی کیمپس میں تبدیل کیا جاسکتا ہے۔ انھوں نے نئے سیشن میں جدید داخلے پر گفتگو کرتے ہوئے کہا کہ 76 کورسز میں تقریبا 4000 طلبہ تعلیم حاصل کررہے ہیں تاہم طلبہ کی تعداد کو بڑھانے کی ضرورت ہیاور ہم اس کے لئے ڈین اکیڈمک اور ایڈمیشن کوارڈینٹر کے ساتھ مل کرایک پالیسی بنانے کی کوشش کررہے ہیں تاکہ اس کا کوئی مثبت نتیجہ نکل سکیاور خالی سیٹوں کو بھرا جاسکے۔ انھوں جز وقتی کورسز کے حوالے سے بات کرتے ہوئے کہا کہ ہم ان غیر ملکی زبانوں جرمن، جاپانی اور دیگر زبانوں کے جز وقتی کورسز کھولنے کی بھی تیاری کررہے ہیں۔ انھوں نے مدرسہ بورڈ کے کامل اور فاضل کے حوالے سے ایک سوال کے جواب میں کہا کہا گر ریاستی حکومت اس طرح کی کوئی پالیسی بنائے گی تو ہم اس کو کرنے کے لئے تیار ہیں۔ لینگو تج یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے یہ بھی کہا کہ یونیورسٹی میں تمام خالی ریگولر اور کنٹریکٹ سطح پر آسامیوں کی بھرتی کیلئے کاروائی شروع کی جائے گی۔ آخر میں انھوں نے تمام صحافیوں کا شکریہ ادا کیا۔ اس پریس کانفرنس میں رجسٹرار ڈاکٹر مہیش کمار، ڈین اکیڈمک اور ایڈمیشن کوارڈینیٹر پروفیسر ثوبان سعید، میڈیا انچارج ڈاکٹر روچیتا سجائے، ڈاکٹر شچیندر شیکھر، ڈاکٹر کاظم رضوی، ڈاکٹر ظفرالنقی اور محسن رضوی موجود تھے۔

हिन्दुस्तान www.livehindustan.com अपने

अभ्यर्थियों को विवि की ओर से जारी समर्थ पोर्टल के जरिए करना होगा आवेदन

केएमसी में आवेदन 15 जून तक

मिशन एडमिशन

लखनऊ, संवाददाता। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2025-26 प्रवेश प्रक्रिया के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय के सात संकायों की 3500 सीटों के लिए 15 जून तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे।

अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.kmclu.ac.in पर दिए गए लिंक के माध्यम या सीधे समर्थ पोर्टल kmcluadm.samarth.edu.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश समन्वयक प्रो. सौबान सईद ने प्रवेश प्रक्रिया की औपचारिक घोषणा कर दी है।

कुछ कोर्स पर मेरिट से प्रवेश: उनका कहना है कि यूजी व पीजी की 3500 से अधिक सीटों पर प्रवेश होना है। इनमें कुछ कोर्सों पर मेरिट आधारित प्रवेश दिया जाएगा, जबकि कई कोर्सों के अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। प्रवेश फॉर्म भरने से पहले विवि की ओर से जारी विवरणिका (प्रॉस्पेक्टस) जरूर पढ़ें। प्रवेश समन्वयक के मुताबिक आठ अन्य पाठ्यक्रमों के 320 सीटों पर लेटेरल इंट्री होनी है। इन अभ्यर्थियों को भी ऑनलाइन आवेदन करने के बाद प्रवेश परीक्षा देनी होगी।

कला और मानविकी संकाय में 720 सीटें

स्नातक कोर्स बीए के 17 विषयों में कुल 480 सीटें हैं, इनमें बीए हिन्दी, अंग्रेजी, अरबी और उर्दू की 60-60 रेगुलर और पारसी की 30 सीटें हैं। बीए संस्कृत, फ्रेंच, जर्मन, चाइनीज, जापानी, पाली व फाइन ऑर्ट की 30-30 सेल्फ फाइनेंस सीटें हैं। परास्नातक एमए के छह भाषाओं की 240 सीटों पर प्रवेश होगा। एमए उर्दू व अंग्रेजी की 60-60, अरबी, पारसी की 30-30 रेगुलर और हिन्दी, फाइन ऑर्ट की 30-30 सेल्फ फाइनेंस सीटें हैं। कला संकाय की सभी सीटों पर प्रवेश मेरिट के आधार पर होगा।

3500

सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन लिए जाएंगे

- समस्या समाधान के लिए हेल्पलाइन नंबर
- छात्र-छात्राएं फोन कर ले सकते हैं जानकारी

यहां करें संपर्क

अभ्यर्थियों को किसी तरह की तकनीकी समस्या न हो इसके लिए विवि की ओर से हेल्पलाइन नंबर व ईमेल जारी किया गया है। किसी भी समस्या व जानकारी प्राप्त करने के लिए अभ्यर्थी सोमवार से शनिवार सुबह 10 से शाम पांच बजे के बीच जारी हेल्पलाइन नंबर 7007076127 पर संपर्क कर सकते हैं। admission@kmclu.ac.in पर मेल भी कर सकते हैं।

इनमें भी आवेदन

सामाजिक विज्ञान संकाय के 10 पाठ्यक्रमों पर यूजी की 580 और पीजी के छह पाठ्यक्रमों पर 300 सीटें हैं। विज्ञान संकाय में यूजी के 10 पाठ्यक्रमों की 480 सीटें हैं। जबकि, पीजी एमसीए की 60 सेल्फ फाइनेंस सीट है। इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय में स्नातक के सात पाठ्यक्रमों की 480 और परास्नातक के दो पाठ्यक्रमों की 36 सेल्फ फाइनेंस सीटें हैं। फैकल्टी ऑफ लीगल स्टडीज स्नातक एलएलबी व बीएएलएलबी की 60-60, एलएलएम की 60 सेल्फ फाइनेंस सीटें हैं। फार्मेसी संकाय में बीफार्मा और डीफार्मा की 60-60 सेल्फ फाइनेंस सीटें हैं।

कॉमर्स बीकॉम में रेगुलर व सेल्फ फाइनेंस की 60-60 सीटें, बीबीए सेल्फ फाइनेंस की 180 व अन्य दो पाठ्यक्रमों की 90 सीटें हैं। इसी तरह एमकॉम व एमबीए की 60-60 रेगुलर व सेल्फ फाइनेंस सीटें हैं।

शुल्क प्रोस्पेक्टस के अनुसार सामान्य व ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों का आवेदन शुल्क 500-500, एससी-एसटी वर्ग के लिए 250 रुपए है। डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन शुल्क 100 रुपए रखा गया है।

भाषा विश्वविद्यालय के नए वीसी बने प्रो. अजय तनेजा

जासं • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय (केएमसी) के नए कुलपति प्रो. अजय तनेजा होंगे। राज्यपाल और विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने उन्हें विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया है। प्रो. तनेजा वर्तमान में डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा में प्रति कुलपति के पद पर कार्यरत हैं। वह यहां कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से आगामी तीन वर्षों तक कुलपति पद पर रहेंगे। इससे पहले विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर प्रोफेसर एनबी सिंह कार्यरत थे। उनके कार्यकाल की समाप्ति के बाद एकेटीयू के कुलपति प्रो. जेपी पांडे को कार्यवाहक कुलपति की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

amarujala.com/lucknow

लखनऊ | बुधवार • 30.04.2025

my city अमर उजाला 7

भाषा विवि: तीन विषयों में शुरू होंगे परास्नातक पाठ्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि आगामी सत्र से तीन विषयों में परास्नातक कोर्स शुरू करेगा। जिन विषयों में पीजी शुरू होगा, उसमें एमए राजनीति विज्ञान, एमए समाजशास्त्र और एमए लाइब्रेरी साइंस शामिल हैं। अभी इसमें स्नातक की पढ़ाई होती है, विवि की मंशा बीफार्मा के साथ एमफार्मा का कोर्स संचालित करने की भी है। यह जानकारी विवि के नव नियुक्त कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने मंगलवार को प्रेसवार्ता के माध्यम से दी।

उन्होंने कहा, पहली प्राथमिकता विवि की नैक मूल्यांकन करवाना है। विश्वविद्यालय में मिशन एडमिशन के तहत छात्रों की संख्या को बढ़ाना है। विवि ग्रामीण इलाके में होने से छात्र यहां दाखिला लेने से घबराते हैं। ऐसे में परिवहन मंत्री से अनुरोध कर ग्रामीण इलाकों से विवि तक बस चलाने का निवेदन किया गया है।

भाषा विवि में पीएचडी में प्रवेश के लिए अगले माह आवेदन विज्ञापन जारी किया जाएगा। विभागाध्यक्षों की ओर से खाली सीटों का ब्योरा पीएचडी समन्वयक और कुलसचिव को दिया जा चुका है। विवि भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित विषयों पर शोध करने वाले छात्र-छात्राओं को 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी देगा।

शिक्षकों का होगा प्रमोशन, पदों का समायोग भी करेंगे : भाषा विवि में कई वर्षों से लंबित शिक्षकों का कैश प्रमोशन किया जाएगा। मामला कोर्ट में लंबित होने के कारण शिक्षकों का प्रमोशन नहीं हो रहा था। कार्यपरिषद की संस्तुति के बाद इस पर मुहर लगा दी गई है। अंतिम निर्णय न्यायालय का होगा, जो भी फैसला आएगा उसे माना जाएगा। जिन विभागों में शिक्षकों के सापेक्ष पदों की संख्या अधिक है उनका समायोजन करने के संबंध में कवायद शुरू की जाएगी।

प्रो. अजय तनेजा बने भाषा विवि के कुलपति

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि को आखिरकार तीन माह के इंतजार के बाद नियमित कुलपति मिल गया है। डॉ. भीमराव अंबेडकर विवि आगरा में प्रतिकुलपति प्रो. अजय तनेजा को भाषा विवि के कुलपति पद की जिम्मेदारी दी गई है। कुलाधिपति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बृहस्पतिवार को आदेश जारी किया है। प्रो. तनेजा को पदभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष तक के लिए कुलपति पद की जिम्मेदारी दी गई है।

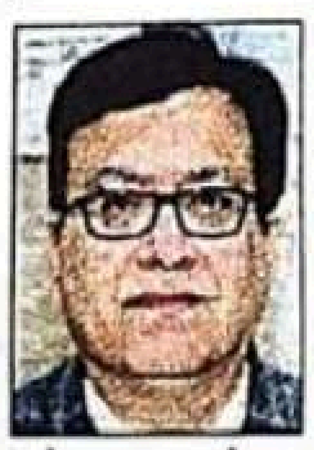

प्रो. अजय तनेजा

नैक मूल्यांकन कराना पहली प्राथमिकता: भाषा विवि के नवनियुक्त कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा, कुलपति के रूप में उनकी पहली प्राथमिकता विवि का नैक मूल्यांकन कराना है। यहां के छात्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे, इसके लिए भी काम करना है। शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिए शोध का बेहतर माहौल देने का प्रयास रहेगा। जरूरी औपचारिकताओं को पूरा कर रहा हूं, शनिवार या सोमवार को कुलपति के रूप में जॉइन करूंगा। मूल रूप से आगरा का ही रहने वाला हूं। शिक्षक के तौर पर शुरुवात शहर के ही एक महाविद्यालय से हुई। 2008 से भीमराव अंबेडकर विवि आगरा के रसायन विज्ञान विभाग में शिक्षक के रूप में सेवाएं दे रहा था।

भाषा विवि में कुलपति रहे प्रो. एनबी सिंह को 10 जनवरी को राजा महेंद्र प्रताप सिंह अलीगढ़ विवि का कुलपति बनाया गया था। इससे यहां कुलपति का पद रिक्त था। विवि का कार्य प्रभावित न हो इसके लिए एकेटीयू के कुलपति प्रो. जेपी पांडेय को भाषा विवि के प्रभारी कुलपति की जिम्मेदारी दी गई थी।

ये होंगी चुनौतियां : भाषा विवि में पूर्व कुलपति माहरूख मिर्जा के समय हुई नियुक्तियों में धांधली और गड़बड़ियों पर कुलपति एनबी सिंह ने कई शिक्षकों के खिलाफ सेवा समाप्ति की कार्रवाई की थी। इसमें पूर्व कुलपति प्रो. मिर्जा भी शामिल हैं। सभी ने उच्च न्यायालय में अपील की है। दो शिक्षकों पर कार्रवाई के खिलाफ राजभवन से कार्यपरिषद की कार्रवाई को गलत ठहराया गया है।

Sunday
27 April 2025

روزنامہ لکھنؤ

قومی صحافت

پروفیسر اجے تنیجا نے لینگویج یونیورسٹی کے وائس چانسلر کا عہدہ سنبھالا

لکھنؤ، 26 اپریل 2025 آج ڈاکٹر بھیم راؤ امبیڈکر یونیورسٹی آگرہ کے شعبۂ کیمسٹری کے پروفیسر اجے تنیجا نے خواجہ معین الدین چشتی لکھنؤ لینگویج یونیورسٹی کے وائس چانسلر کا عہدہ سنبھالا۔ انہوں نے وائس چانسلر کے دفتر میں پروفیسر بی پانڈے سے وائس چانسلر کا چارج سنبھالا۔ پروفیسر تنیجا یونیورسٹی کے چھٹے مستقل وائس چانسلر کے طور پر خدمات انجام دیں گے۔ پروفیسر اجے تنیجا کیمسٹری، ماحولیاتی کیمسٹری اور ماحولیاتی سائنس کے میدان میں ایک معتبر شخصیت ہیں۔ ان کے پاس تیس سال تدریس و تحقیق کا تجربہ ہے۔ آگرہ یونیورسٹی میں انہوں نے مختلف انتظامی عہدوں پر بھی نمایاں خدمات انجام دی ہیں۔ قومی اور بین الاقوامی سطح پر پروفیسر تنیجا نے امریکہ، برطانیہ، جرمنی، آسٹریلیا سمیت کئی ممالک میں علمی اور تحقیقی کاموں کے لیے سفر کر چکے ہیں۔ ان کے 150 سے زائد تحقیقی مقالے بین الاقوامی جرائد میں شائع ہو چکے ہیں۔ وہ انڈین کونسل آف کیمسٹری (FICS) اور انڈین کونسل آف کیمسٹ (FICC) کے فیلو ہیں۔ اس کے علاوہ یونیورسٹی گرانٹس کمیشن کے زیر اہتمام ایپ فیلوشپ بھی حاصل کر چکے ہیں۔ لینگویج یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے یونیورسٹی کے تمام شعبہ جات کے صدور سے گفتگو کرتے ہوئے کہا کہ وہ یونیورسٹی کی ترقی کے لیے تین اہم ستونوں اختراع، تحقیق اور مکمل بزنس پر کام کریں گے جس کے ذریعے نئے آئیڈیاز اور تخلیقی تجربات کو فروغ دیا جائے گا۔ تحقیق کے ذریعے علم کی تخلیق ہوگی اور بہترین نتائج حاصل کیے جائیں گی۔ ایکسیلنس، تعلیم، تحقیق اور مجموعی ترقی کے ہر شعبے میں اعلیٰ مقام کے حصول میں آسانی ہوگی نیز انہوں نے تمام شعبہ جات کے سربراہان اور اعلیٰ حکام سے ملاقات کی اور یونیورسٹی کی مختلف سرگرمیوں کے بارے میں جانکاری لی اور آئندہ لائحہ عمل کی تیاریوں کا بھی جائزہ لیا۔ اس موقع پر انہوں نے کہا کہ وہ طلبہ کی ہمہ جہت ترقی کے لیے پوری لگن کے ساتھ کام کریں گے اور یونیورسٹی کو نئی بلندیوں تک لے جانے کے لیے مسلسل کوشاں رہیں گے۔ اپنے خطاب میں وائس چانسلر نے یہ بھی کہا کہ وہ قومی تعلیمی پالیسی 2020 کے مقاصد کے مطابق یونیورسٹی کے تعلیمی نظام کو مزید مضبوط کریں گے اور طلبہ کو عالمی مقابلے کے قابل بنانے کے لیے جدت ٹیکنالوجی اور تحقیق کو ترجیح دیں گے۔ انہوں نے تمام فیکلٹی ممبران پر زور دیا کہ ہم سب متحد ہو کر یونیورسٹی کو علمی بہتری کی راہ پر گامزن کرنے کی کوشش کریں گے۔ وائس چانسلر نے اس یقین کا بھی اظہار کیا کہ وہ یونیورسٹی کو بلندیوں پر لے جانے کے لیے اپنا بہترین کردار ادا کرنے کی ہر ممکن کوشش کریں گے۔ تقرری منصب کی تقریب کے موقع پر یونیورسٹی کے رجسٹرار ڈاکٹر مہیش کمار، کنٹرولر امتحانات ڈاکٹر وجے کمار شریواستو، ڈین اکیڈمک پروفیسر ساجدہ اعظمی، پروفیسر سید حیدر علی، پروفیسر ثوبان سعید، پروفیسر تنویر خدیجہ اور پروفیسر احتشام احمد کے علاوہ دیگر اساتذہ اور عملہ کے افراد موجود تھے

ें प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन शुरू

भाषा विश्वविद्यालय : प्रवेश प्रक्रिया शुरू, रजिस्ट्रेशन के लिए खुला समर्थ पोर्टल

भाषा विश्वविद्यालय (केएमसी) ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए स्नातक और परास्नातक कोर्सों में दाखिले की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय ने गुरुवार देर शाम 'समर्थ पोर्टल' को रजिस्ट्रेशन के लिए लाइव कर दिया। अभ्यर्थी 15 जून तक आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कुछ कोर्सों में दाखिला मेरिट आधार पर होगा, जबकि बीबीए, बीसीए, बी.टेक, एम.टेक, एम.बी.ए, एम.सी.ए, बी.फार्मा और डी.फार्मा जैसे व्यावसायिक और तकनीकी कोर्सों में प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा। 30 जून को मेरिट लिस्ट जारी होगी। तीन जुलाई तक काउंसिलिंग व फीस जमा करने की प्रक्रिया होगी। नया शैक्षणिक सत्र एक अगस्त से शुरू होगा। बी.टेक समेत कुछ स्नातक कोर्सों में दाखिला सीयूईटी और जेईई के स्कोर के आधार पर भी लिया जा सकेगा। इससे राष्ट्रीय स्तर के परीक्षार्थियों को भी लाभ मिलेगा।

रजिस्ट्रेशन शुल्क

- सामान्य और ओबीसी वर्ग के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क : 500 रुपये।
- एससी/एसटी वर्ग के लिए : 250 रुपये।
- डिप्लोमा कोर्सों के लिए : 100 रुपये।

स्नातक के इन कोर्स में मिलेगा प्रवेश: बी.ए, बी.काम, बी.एससी, बी.बी.ए, बी.सी.ए, बी.एड, बीएएलएलबी, एल.एल.बी, बी.टेक व फार्मेसी कोर्स संचालित हो रहे हैं। इनमें उर्दू, अरबी, पर्सियन, हिंदी, संस्कृत, फ्रेंच, जर्मन, जापानी, पाली जैसी भाषाओं के साथ फाइन आर्ट्स, सोशल साइंस आदि शामिल हैं।

लखनऊ

विद्यार्थियों को मिला ज्ञान का खजाना

जासं • लखनऊ: ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के अटल सभागार में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आइपीआर) पर बुधवार को विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें दो सत्र हुए। पहले सत्र में जफर अहमद (सेकंड सिल्वर लाइनिंग आईपी एलएलपी) ने आइपीआर के व्यावहारिक पहलुओं और विभिन्न प्रकारों पर चर्चा की। दूसरे सत्र में राजीव गांधी राष्ट्रीय संस्थान, नागपुर में पेटेंट व डिज़ाइन के सहायक नियंत्रक कुमोर राजू ने पेटेंट और डिजाइन फाइलिंग की प्रक्रिया पर आनलाइन माध्यम से जानकारी दी। कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन के अंतर्गत हुआ। समन्वय प्रो. सैयद हैदर अली ने किया। डा. दुआ नक़वी ने अतिथियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। डा. सुषमा मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی کے نئے وائس چانسلر کی تعارفی میٹنگ

لکھنؤ: خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی کے نو تعینات وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے اٹل ہال میں یونیورسٹی کے تمام اساتذہ، افسران اور عملے کے ساتھ اپنی پہلی باضابطہ میٹنگ منعقد کی۔ پروفیسر اجے تنیجا اس سے قبل ڈاکٹر امبیڈکر یونیورسٹی آگرہ میں شعبۂ کیمسٹری کے صدر اور پرو وائس چانسلر کی ذمہ داریوں کو نبھاتے رہے ہیں۔ پروفیسر اجے تنیجا نے ہفتہ کے روز چارج لینے کے بعد آج تین بجے ایک اہم اجلاس طلب کیا۔ اس اہم اجلاس کے آغاز میں پروفیسر اجے تنیجا نے اپنا مختصر تعارف کراتے ہوئے کہا کہ اساتذہ کو تدریسی ذمہ داریوں کے ساتھ دیگر امور میں بھی دلچسپی دکھانے کی ضرورت ہے۔ انھوں نے یہ بھی کہا کہ ہماری کوشش یہ رہے گی کہ ہم کیمپس کے اندر ایک ایسا علمی، تحقیقی اور اختراعی فضا تعمیر کریں جس میں طلبہ اپنی ذہانتوں، صلاحیتوں اور پوشیدہ جوہروں کو نکھرنے کا بہتر موقع مل سکے۔ سبھی اساتذہ کو اس پہلو پر بھی زور دینے کی ضرورت ہے کہ کس طرح سے تحقیق اور اختراع کیا ہم معرکے کو سر کیا جائے اور مجھے یقین ہے کہ اگر اساتذہ اپنی بھرپور تخلیقی، تنقیدی اور اختراعی صلاحیتوں کو مظاہرہ کریں گے تو منزل بہت دور نہیں ہے۔ انھوں نے کہا کہ اگر ہم سبھی اساتذہ یہ عزم کر لیں اور عہد و پیمان باندھ لیں اور ایمانداری کے ساتھ اپنا بہتر دینے کی کوشش کریں تو اس یونیورسٹی کے کیمپس کو تعلیم و تحقیق اور اختراع کے لئے ایک مثالی کیمپس میں تبدیل کیا جاسکتا ہے۔ اس تعارفی اجلاس میں ڈین اکیڈمکس پروفیسر ثوبان سعید، ڈین ریسرچ پروفیسر چندنا ڈے، پروفیسر مسعود عالم، پروفیسر احتشام احمد، پروفیسر تنویر خدیجہ، پروفیسر فخر عالم، پروفیسر شالینی ترپاٹھی، ڈاکٹر راجندر ترپاٹھی، ڈاکٹر تطہیر فاطمہ کے علاوہ یونیورسٹی کے تمام اساتذہ، افسران اور ملازمین شریک تھے۔

गर्ग टाइम्स

भाषा विवि के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने की पहली प्रैस कॉन्फ्रेंस

लखनऊ। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के नव नियुक्त माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने वीसी लॉज में अपनी पहली प्रैस कॉन्फ्रेंस की। प्रैस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने सभी पत्रकार साथियों का स्वागत किया। स्वागत के बाद सबसे पहले अपना परिचय देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय वर्तमान में 76 कोर्सेज संचालित करता है। जिसमें हजारों विद्यार्थी पढ़ाई करते हैं। इन सभी विद्यार्थियों को अब से भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित अध्ययन करने हेतु 20 हजार रुपए की वित्तीय सहायता मुहैया कराई जायेगी। प्रो. तनेजा ने कहा कि विश्वविद्यालय में जिन शिक्षकों के प्रमोशन शेष हैं उन्हें भी यथाशीघ्र भरा जायेगा। प्रो. अजय तनेजा ने बताया कि उनकी प्राथमिकता एडमिशन को मिशन मोड पर ले जाकर क्रियान्वित करना है। जबकि दूसरी प्राथमिकता विश्वविद्यालय में शोध और नवाचार को बढ़ावा देना है और तीसरी प्राथमिकता में नैक का मूल्यांकन सफल तरीके से कराना है। इसके अलावा कुलपति प्रो. तनेजा ने कहा कि हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय में शिक्षण कार्य भी उनकी प्राथमिकता में शामिल रहेगा। प्रो. तनेजा ने बताया कि हम जल्द ही विदेशी भाषाओं में लैंग्वेज कोर्सेस भी आरम्भ करने जा रहे हैं। इसके साथ ही प्रो. तनेजा ने कहा कि वर्तमान में जिन कोर्सेज में स्नातक विषय के साथ पढ़ाई हो रही है वहां परास्नातक स्तर पर कोर्सेज संचालित किये जायेंगे। प्रो. तनेजा ने कहा कि विश्वविद्यालय में नियमित और संविदा के सभी रिक्त पदों पर आवेदन और भर्ती भी जल्द शुरू की जाएगी। अंत में प्रैस कॉन्फ्रेंस सभी पत्रकार साथियों को धन्यवाद के साथ समाप्त हुई। प्रैस कॉन्फ्रेंस में विश्वविद्यालय से कुलसचिव डॉ. महेश कुमार, प्रो. सौबान सईद, मीडिया प्रभारी डॉ. रुचिता सुजॉय चौधरी, मीडिया कमेटी से डॉ. शचींद्र शेखर, डॉ. काजिम रिज़वी, डॉ. जफरुन नकी और मोहसिन उपस्थित रहे।

भाषा विवि के स्वयंसेवकों ने किया रात्रि शिविर का आयोजन

तिजारत संवाददाता

लखनऊ। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के राष्ट्रीय सेवा योजना के इकाई- 2 की कार्यक्रम अधिकारी डॉ पूनम चौधरी तथा स्वयं सेवकों द्वारा सात दिवसीय विशेष (रात्रि-दिवस) शिविर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गांव डिगुरिया में लगाया गया जिसके अंतर्गत गांव की महिलाओं, बच्चों और पुरुषों को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य, पर्यावरण और वृक्षारोपण, नशामुक्ती , दहेज प्रथा एक अभिशाप , योग और स्वास्थ्य तथा सड़क सुरक्षा जैसे विषयों पर विभिन्न रैलियों के माध्यम से और व्यक्तिगत बातचीत के माध्यम से जागरूक किया गया।

amarujala.com / lucknow
my city
लखनऊ | शनिवार • 05.04.2025
अमर उजाला 7

स्वच्छता और पर्यावरण की दी जानकारी

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ पूनम चौधरी व स्वयं सेवकों ने डिगुरिया गांव का भ्रमण किया। इस दौरान गांव की महिलाओं, बच्चों और पुरुषों को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य, पर्यावरण और पौधरोपण व दहेज प्रथा के प्रति जागरूक किया गया। योग, स्वास्थ्य, सड़क सुरक्षा व अन्य विषयों पर रैली के ज़रिये जानकारी दी। (संवाद)

भाषा विवि में आईपीआर पर कार्यशाला हुई

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में कार्यशाला आयोजित कर अकादमिक समुदाय, फैकल्टी सदस्यों, छात्रों व शोधार्थियों को बौद्धिक संपदा अधिकार के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही इसके महत्व और उनके अनुप्रयोग के बारे में जागरूक किया गया। विवि में राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन के तहत यहां बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर दो सत्रों में चर्चा हुई।

भाषा विवि के स्वयंसेवकों ने किया रात्रि शिविर का आयोजन

सज्जाद बाक़र
सिटीज़न वॉयस,
संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के राष्ट्रीय सेवा योजना के इकाई- 2 की कार्यक्रम अधिकारी डॉ पूनम चौधरी तथा स्वयं सेवकों द्वारा सात दिवसीय विशेष (रात्रि-दिवस) शिविर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये गांव डिगुरिया में लगाया गया जिसके अंतर्गत गांव की महिलाओं, बच्चों और पुरुषों को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य, पर्यावरण और वृक्षारोपण, नशामुक्ती , दहेज प्रथा एक अभिशाप , योग और स्वास्थ्य तथा सड़क सुरक्षा जैसे विषयों पर विभिन्न रैलियों के माध्यम से और व्यक्तिगत बातचीत के माध्यम से जागरूक किया गया।

लखनऊ, शुक्रवार, 25 अप्रैल, 2025
जागरण सिटी

पीजी कोर्स में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन शुरू

जासं • लखनऊः लवि में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए परास्नातक (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो गई है। आवेदन प्रक्रिया विश्वविद्यालय की केंद्रीय प्रवेश प्रणाली के अंतर्गत 'समर्थ पोर्टल' के माध्यम से की जा रही है। इच्छुक अभ्यर्थी 15 जून तक आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय और उससे सम्बद्ध/सहयुक्त महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए सबसे पहले एलयूआरएन पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। इसका शुल्क 100 रुपये रखा गया है, जो पूर्व की भांति ही है। पंजीकरण और आवेदन प्रक्रिया दोनों आवश्यक हैं। आवेदन केवल आनलाइन माध्यम से ही मान्य होंगे।

पीजी, एलएलएम, एलएलबी में सामान्य वर्ग, ओबीसी और ईडब्लूएस वर्ग का शुल्क 1000 है। एससी और एसटी के लिए आवेदन शुल्क 500 है। पीजी मैनेजमेंट प्रोग्राम, एम.एड, बी.पीएड, एम.पीएड प्रोग्राम में सामान्य वर्ग, ओबीसी, ईडब्लूएस का आवेदन शुल्क 1800 और एससी-एसटी का आवेदन शुल्क 800 है।

पंजीकरण की ये है प्रक्रियाः

• सबसे पहले विश्वविद्यालय की वेबसाइट lkouniv.ac.in पर जाएं। • दिए गए लिंक या पाप-अप में एलयूआरएनएस पर क्लिक करें, या सीधे जाएं: https://lkounivadm.samarth.edu.in • न्यू रजिस्ट्रेशन पर क्लिक करके लागिन आइडी बनाएं। ध्यान दें कि अभ्यर्थी के पास एक वैध ईमेल आईडी पहले से होनी चाहिए, क्योंकि ओटीपी उसी पर भेजा जाएगा। • आइडी बनाने के बाद उसी पेज पर जाकर लाग इन पर क्लिक करें और नाम, माता-पिता का नाम आदि विवरण भरकर अपनी प्रोफाइल पूरी करें। • उसके बाद 100 रुपये का भुगतान आनलाइन गेटवे से करें। इसके बाद आपका पंजीकरण (एलयूआरएन) नंबर जनरेट होगा। • प्रिंट फार्म पर क्लिक करके पंजीकरण फार्म का प्रिंट कभी भी निकाला जा सकता है। यह प्रिंट प्रवेश के समय के लिए सुरक्षित रखें। • पंजीकरण (एलयूआरएन) के बाद ही उम्मीदवार प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

भाषा विश्वविद्यालय : प्रवेश प्रक्रिया शुरू, रजिस्ट्रेशन के लिए खुला समर्थ पोर्टल

भाषा विश्वविद्यालय (केएमसी) ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए स्नातक और परास्नातक कोर्सो में दाखिले की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय ने गुरुवार देर शाम 'समर्थ पोर्टल' को रजिस्ट्रेशन के लिए लाइव कर दिया। अभ्यर्थी 15 जून तक आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कुछ कोर्सों में दाखिला मेरिट आधार पर होगा, जबकि बीबीए, बीसीए, बी.टेक, एम.टेक, एम.बी.ए, एम.सी.ए, बी.फार्मा और डी.फार्मा जैसे व्यावसायिक और तकनीकी कोर्सों में प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा। 30 जून को मेरिट लिस्ट जारी होगी। तीन जुलाई तक काउंसिलिंग व फीस जमा करने की प्रक्रिया होगी। नया शैक्षणिक सत्र एक अगस्त से शुरू होगा। बी.टेक समेत कुछ स्नातक कोर्सों में दाखिला सीयूईटी और जेईई के स्कोर के आधार पर भी लिया जा सकेगा। इससे राष्ट्रीय स्तर के परीक्षार्थियों को भी लाभ मिलेगा।

रजिस्ट्रेशन शुल्क

- सामान्य और ओबीसी वर्ग के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क: 500 रुपये।
- एससी/एसटी वर्ग के लिए: 250 रुपये।
- डिप्लोमा कोर्सों के लिए: 100 रुपये।

स्नातक के इन कोर्स में मिलेगा प्रवेशः बी.ए, बी.काम, बी.एससी, बी.बी.ए, बी.सी.ए, बी.एड, बीएएलएलबी, एल.एल.बी, बी.टेक व फार्मेसी कोर्स संचालित हो रहे हैं। इनमें उर्दू, अरबी, पर्सियन, हिंदी, संस्कृत, फ्रेंच, जर्मन, जापानी, पाली जैसी भाषाओं के साथ फाइन आर्ट्स, सोशल साइंस आदि शामिल हैं।

हैकनोवेट में चमके केएमसी के विद्यार्थी

जासं, लखनऊ : भाषा विश्वविद्यालय के बी.टेक (कंप्यूटर साइंस) दूसरे सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने हैकाथान हैकनोवेट 6.0 में बेस्ट बिगिनर टीम का खिताब जीता। यह प्रतियोगिता चार और पांच अप्रैल को एबीईएस इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, गाजियाबाद की ओर से 24 घंटे आयोजित की गई थी। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए टीम को प्रशस्ति पत्र के साथ 3,000 रुपये की नकद राशि दी गई। विजेता टीम में आशीष मौर्य, पुष्कर कांत मिश्रा, सोनी गुप्ता और श्वेता यादव शामिल थे।

मो. सहील उपकुलसचिव पद पर किए गए संबद्ध

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में कई महीने से खाली पड़े उपकुलसचिव के पद पर मो. सहील को संबद्ध किया गया है। वर्तमान में वह डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में उपकुलसचिव पद पर हैं।

विशेष सचिव गिरिजेश त्यागी की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि शासकीय कार्यहित में मो. सहील को तत्काल प्रभाव से भाषा विवि में उपकुलसचिव पद पर संबद्ध किया जाता है। विवि में उपकुलसचिव रहीं दीप्ति मिश्रा की पदोन्नति के बाद से यह पद खाली था। (संवाद)

भाषा विवि में सक्सेज मंत्रा सीरीज का हुआ शुभारम्भ

सज्जाद बाक़र
सिटीज़न वॉयस,
संवाददाता
लखनऊ

भाषा विश्वविद्यालय में कैरियर काउंसिल सेल की पहल।

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. जे. पी. पांडे के मार्गदर्शन में कैरियर काउंसिल सेल द्वारा ÷सक्सेज मंत्र÷ सीरीज-1 का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम छात्रों के भविष्य की नौकरियों और आवश्यक कौशलों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और पुष्पार्चन से की गई। वकतव्य के स्वागत डॉ. राहुल मिश्रा ने दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. हैदर अली ने बताया कि सभी विद्यार्थियों को स्किल्ड बेस्ड एजुकेशन की तरफ बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री संजय मेधावी रहे, जिन्होंने फ्यूचर ऑफ जॉब्स एंड स्किल्स विषय पर एक प्रभावशाली प्रेजेंटेशन के माध्यम से छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान युग तकनीक का युग है, और छात्रों को टेक्नोलॉजी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना चाहिए। उन्होंने AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) की आवश्यकता और उपयोगिता पर जोर देते हुए कहा कि आज के दौर में इसके ज्ञान के बिना भविष्य की कल्पना अधूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को नई-नई तकनीकों को सीखते रहने और स्वयं को समयानुकूल अपडेट करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में प्रो. सैयद हैदर अली के सहयोग से कैरियर काउंसिलिंग सेल द्वारा आयोजित किया गया। शिक्षकों ने भाग लिया। सभी पैनल सदस्यों ने करियर विकास, तकनीकी दक्षताओं और व्यक्तिगत मार्गदर्शन से संबंधित अनुभव छात्रों के साथ साझा किए। 3कार्यक्रम का संचालन डॉ. जैबून निशा ने किया तो धन्यवाद ज्ञापन में डॉ. शचींद्र शेखर जी ने कहा कि यह आयोजन छात्रों के लिए न केवल एक ज्ञानवर्धक अनुभव रहा, बल्कि उनके कैरियर निर्माण के लिए भी एक मजबूत प्रेरणा का स्रोत बना है। विश्वविद्यालय द्वारा इस तरह की श्रृंखलाएं आगे भी निरंतर रूप से आयोजित की जाएंगी।

कार्यक्रम में विशेष सहयोग पत्रकारिता विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. मो. नसीब का रहा। कार्यक्रम के इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक और विद्यार्थी भारी तादाद में उपस्थित रहे।

कैम्पस 30s

विद्यार्थियों को बताई एआई की जरूरत

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय में सक्सेज मंत्र सीरीज-1 में विद्यार्थियों को नई तकनीकों के बारे जानकारी दी गई। पैनल सदस्यों ने छात्रों संग करियर विकास, तकनीकी दक्षताओं व व्यक्तिगत अनुभव साझा किए। विवि के करियर काउंसिलिंग सेल की ओर से कौशल विकास पर जोर दिया गया। अध्यक्षता कर रहे प्रो. हैदर अली ने कहा कि विद्यार्थियों को कौशल आधारित शिक्षा की ओर बढ़ना चाहिए।

एडमिशन वाउचर में दिए सभी निर्देश पढ़ें। अभ्यर्थी की फोटो व साइन की स्कैन कॉपी 50 केबी की हो। अभ्यर्थी को आरक्षण का लाभ लेना है तो प्रमाणपत्र की स्कैन कॉपी 50 केबी की होनी चाहिए। प्रवेश फॉर्म की फीस ऑनलाइन जमा करने के बाद अभ्यर्थी 72 घंटे के पहले दोबारा फीस न जमा करें।

भाषा विवि : यूजी-पीजी में आवेदन शुरू : भाषा विवि ने बृहस्पतिवार से प्रवेश के लिए आवेदन शुरू कर दिए हैं। प्रवेश समन्वयक प्रो. सौबान सईद के मुताबिक, छात्र विवि की वेबसाइट www.kmclu.ac.in पर जाकर समर्थ पोर्टल के माध्यम से आवेदन फॉर्म भर सकते हैं। सामान्य, ओबीसी, और ईडब्ल्यूएस वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क 500 रुपये, एससी-एसटी के 250 रुपये निर्धारित है। आवेदन प्रक्रिया में किसी तरह की समस्या आने पर छात्र प्रवेश कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

amarujala.com/lucknow
लखनऊ | मंगलवार • 29.04.2025
my city
अमर उजाला
7

छात्रों ने सीडीआरआई का किया भ्रमण

लखनऊ। भाषा विवि में फैकल्टी ऑफ फार्मेसी के बीफार्मा प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने सीडीआरआई (सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट) का भ्रमण किया। छात्रों को रिसर्च लैब व नई फार्मास्युटिकल प्रौद्योगिकियों की जानकारी दी गई। वैज्ञानिकों ने औषधि अनुसंधान से जुड़ी बारीकियों की जानकारी दी। (संवाद)

भाषा विश्वविद्यालय में ज्ञान परंपरा की पढ़ाई करने के लिए मिलेंगे 20 हजार

जासं • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के नव नियुक्त कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि संस्थान के विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित अध्ययन करने के लिए 20 हजार रुपये की वित्तीय सहायता दिलाई जाएगी। विश्वविद्यालय में वर्तमान में 76 कोर्स संचालित हैं। इनमें हजारों विद्यार्थी पढ़ाई करते हैं।

विश्वविद्यालय परिसर में मंगलवार को प्रो. तनेजा ने पत्रकारों से कहा कि हमारी प्राथमिकता एडमिशन को मिशन मोड पर ले जाकर क्रियान्वित करना है। विश्वविद्यालय में शोध और नवाचार को बढ़ावा देने के साथ नैक का मूल्यांकन सफल तरीके से कराने का प्रयत्न करेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत पढ़ाई हमारी प्राथमिकता में रहेगी। हम जल्द ही विदेशी भाषाओं में लैंग्वेज कोर्स भी शुरू किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिन कोर्सों में स्नातक विषय के साथ पढ़ाई हो रही है, वहां परास्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इसके अलावा जिन शिक्षकों की पदोन्नति शेष है, उन्हें भी यथाशीघ्र भरा जाएगा। नियमित और संविदा के सभी रिक्त पदों पर आवेदन और भर्ती भी जल्द शुरू की जाएगी। इस अवसर पर कुलसचिव डा. महेश कुमार, प्रो. सौबान सईद, मीडिया प्रभारी डा. रुचिता सुजाय चौधरी आदि उपस्थित रहे।

लखनऊ, शुक्रवार, 25 अप्रैल, 2025

जागरण सिटी

भाषा विश्वविद्यालय के नए वीसी बने प्रो. अजय तनेजा

जासं • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय (केएमसी) के नए कुलपति प्रो. अजय तनेजा होंगे। राज्यपाल और विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने उन्हें विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया है। प्रो. तनेजा वर्तमान में डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा में प्रति कुलपति के पद पर कार्यरत हैं। वह यहां कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से आगामी तीन वर्षों तक कुलपति पद पर रहेंगे। इससे पहले विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर प्रोफेसर एनबी सिंह कार्यरत थे। उनके कार्यकाल की समाप्ति के बाद एकेटीयू के कुलपति प्रो. जेपी पांडे को कार्यवाहक कुलपति की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।